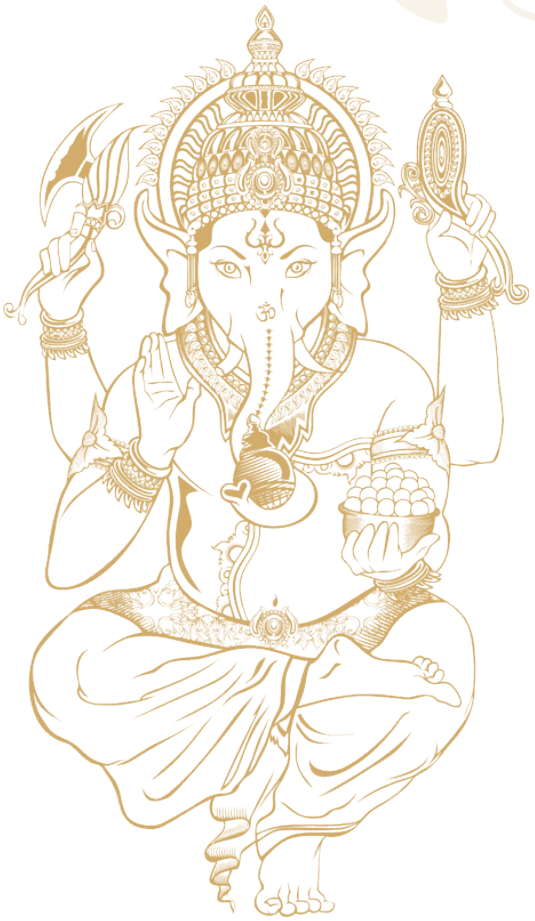

Mr.Krishna

Ms.Shikha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119539504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/07/1997	जन्म तिथि	02/01/1998
रवि-सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 00:15:00	जन्म समय	10:25:00 घंटे
घटी 46:55:20	जन्म समय(घटी)	07:56:25 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:51	सूर्योदय	07:14:26
19:22:30	सूर्यास्त	17:35:54
23:49:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 4वर्ष 0मा 12दि		24:54:52	मीन	लग्न	कुंभ	11:44:11	मंगल 1वर्ष 9मा 23दि	
शुक्र		20:53:49	मिथु	सूर्य	धनु	17:45:27	गुरु	
19/07/2025		13:50:11	कर्क	चंद्र	कुंभ	03:12:31	27/10/2017	
19/07/2045		14:24:08	कन्या	मंगल	मक	17:53:12	27/10/2033	
शुक्र	17/11/2028	03:23:38	कर्क	बुध	वृश्चि	25:25:27	गुरु	15/12/2019
सूर्य	17/11/2029	27:00:14	मक व	गुरु	मक	28:40:18	शनि	27/06/2022
चन्द्र	19/07/2031	15:53:59	कर्क	शुक्र व	मक	09:17:07	बुध	02/10/2024
मंगल	17/09/2032	25:58:06	मीन	शनि	मीन	19:57:48	केतु	08/09/2025
राहु	18/09/2035	28:04:51	सिंह व	राहु व	सिंह	18:26:11	शुक्र	09/05/2028
गुरु	19/05/2038	28:04:51	कुंभ व	केतु व	कुंभ	18:26:11	सूर्य	25/02/2029
शनि	19/07/2041	13:45:43	मक व	हर्ष	मक	13:21:23	चन्द्र	27/06/2030
बुध	18/05/2044	05:08:03	मक व	नेप	मक	05:09:33	मंगल	03/06/2031
केतु	19/07/2045	09:22:27	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:58:37	राहु	27/10/2033

लग्न-चलित

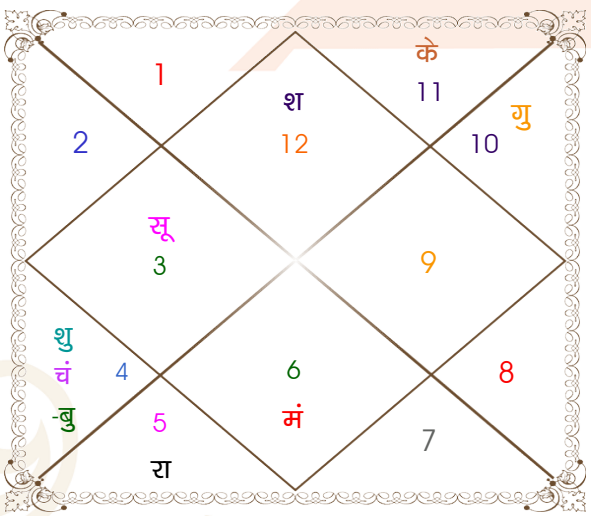

लग्न-चलित

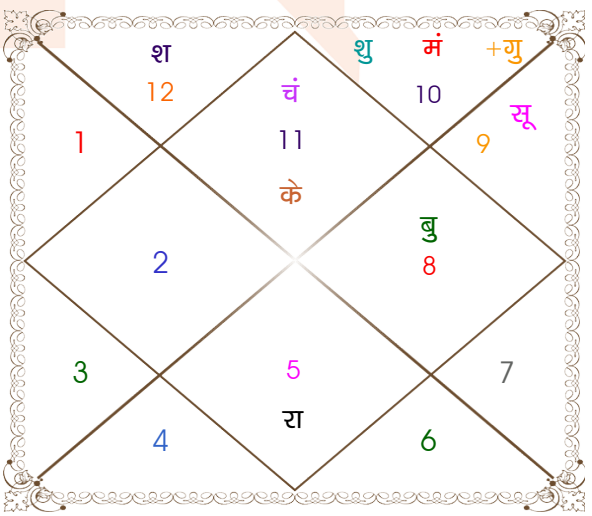

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	6.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.Krishna का नक्षत्र पुष्य है।

Mr.Krishna का वर्ग श्वान है तथा डेंणैपीं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Krishna और डेंणैपीं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Krishna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr.Krishna कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेंणैपीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेंणैपीं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता

है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेंैपर्ी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेंैपर्ी कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Krishna कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Krishna तथा डेंैपर्ी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।